सीएम सिटी में कुत्तों से आतंकित लोगों का प्रदर्शन

मज़दूर मार्चा विशेष

स्मार्ट सिटी मे आवारा कुत्तों के कहर से परेशान करनाल के विभिन्न कलौनियों से निवासियों ने सैक्टर 12 स्थित सेक्ट्रियेट के सामने प्रदर्शन कर करनाल से विधायक व मुख्यमंत्री हरियाणा मनोहर लाल खट्टर का पुतला फुंका। आस फाऊंडेशन उपाध्यक्ष रानी कम्बोज की अगुवाई में आए लोगों ने सरकार व प्रशासन विरोधी नारे लगाए। आस अध्यक्ष दीपक मेहरा ने आरोप लगाया कि सरकार व प्रशासन स्मार्ट सिटी के नाम पर लोगो से धोखा कर रही है।

दीपक ने कहा नगर निगम द्वारा आवारा कुत्तों के सर्वे के नाम पर 2016 मे टेंडर निकाला। जिसमे 70 लाख खर्च किए गए। शहर में 14014 नर और मादा कुत्तों में से 6627 कुत्तों की नसबंदी पर 70 लाख रुपये खर्च किए गए। तब से अब तक कुत्तो कि तादाद बढ़ ही रही है।

आस फाऊंडेशन उपाध्यक्ष रानी कम्बोज ने बताया कि 2012 मे हाईकोर्ट द्वारा आदेश जारी किए गए थे कि सभी जिले मे आवारा जानवरों के लिए शेल्टर होम बनाए जाएं। जिसकी पालना करते हुए हरियाणा सरकार ने सभी नगर निगम, नगर पालिकाओ व उपायुक्त को निर्देश नं 53/216/2012-61 दिनांक 27-5-2013 को जारी किए थे।

6 वर्ष बीत जाने पर भी अभी तक शेल्टर होम का निर्माण नहीं हो पाया है। दहा गांव मे इसके लिए जमीन निर्धारित भी की गई। परन्तु कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ। आवारा जानवरों की रोकथाम के लिए एनिमल वेलफेयर बोर्ड आफ इंडिया भी बना हुआ है। 50 प्रतिशत अनुदान राशि देता है। परन्तु न सरकार न ही निगम ने कभी इस दिशा मे कोई कदम उठाया।

रानी ने कहा कि वजीरचंद कलौनी, सैक्टर 9, एनडीआरआई, माडल टाउन, वाल्मिकी बस्ती, दयानंद कलौनी में तो हालत बद से बदतर है। रात्रि को ये घरों के आगे बैठकर सारी रात ऐसी बेसुरी आवाजें निकालते हैं कि नींद लेना तक मुश्किल हो जाता है। स्वच्छता अभियान का ढिंढोरा पीट रहे सरकार मे बैठे लोग कुत्तों को सडकों, पार्कों मे शौच करने से कैसे रोकेंगे? प्रशासन ओर निगम केवल कुत्तो के नाम पैसा लूटने मे लगा है। सर्वदित है कि भारत में आवारा कुतों की कुल संख्या ढाई करोड़ तक हो चुकी है। कुता काटे जाने पर लगने वाला टीका जो अक्सर सरकारी अस्पताल में उपलब्ध नही होता वह बाजार से एक हजार रुपए में लगवाना पड़ता है।

अगर प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो मजबूरन लोगो को लाठियों से मारना पड़ेगा जैसे यूपी के सीतापुर गांव के लोगो ने 15 बच्चो के मारे जाने बाद लोगों ने आवार कुतों को लाठियों से मार डाला था।

इस मौके पर दीपक बाल्मीकि बबलू, विक्की, जयपाल, सतपाल, धीरज, अंजू, कलावती, धर्मो, शामो, पूनम, भतेरो, कमलेश, सचिन, मोहित, मुकेश, नीरज, राहुल, राजू समेत कई मौजूद थे।

गौतस्करी करते हुए रंगे हाथ धरा गया बजरंग दल कार्यकर्ता

मज़दूर मोर्चा विशेष

गौतस्करी के लिए देशभर में हंगामा खड़ा करने वाले बजरंग दल के एक कार्यकर्ता और उसके सहयोगी को पुलिस ने मैंगलुरु से गिरफ्तार किया है। आरोपी बजरंग दल कार्यकर्ता की पहचान शशिकुमार (48) और ड्राइवर अब्दुल हरीश (21) के रुप में हुई है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीते गुरुवार की सुबह हिंदुत्ववादी संगठन बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद् ने गौ तस्कारी और गौ हत्या रोकने के लिए प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन करने वालों में आरोपी शशिकुमार भी शामिल था।

इसी दिन रात को कदांबू जंक्शन इलाके में पुलिस अधिकारियों को गौ तस्करी की सूचना मिली। जब उन्होंने एक अशोक लेयलेंड पिक अप ट्रक की तलाशी ली तो उसमें कथित तौर पर चार गायें और एक बछड़ा मिला।

इसके बाद पुलिस ने मौके से 48 वर्षीय शशिकुमार और उसके 21 वर्षीय ड्राइवर अब्दुल हरीश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पुष्टि की है कि शशिकुमार बजरंग दल का सदस्य है और विट्टलपदनूर जिले का रहने वाला है, जबकि अब्दुल का गौ तस्करी में रिकॉर्ड मिला है। पुलिस के मुताबिक गायों और बछड़े को ले जाने के लिए इस तरह ट्रक को मोडीफाइड किया गया था कि कोई अंदाजा न लग पाए कि उसके भीतर क्या है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पशु अधिनियम और गाय वध रोकथाम अधिनियम की धाराओं और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 379 (चोरी) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

गुजरात के सीमए विजय रूपाणी 1960 में बर्मा से आये थे और त्रिपुरा के सीएम विप्लव देव भी 1971 में बांग्लादेश में पैदा हुए थे। दोनों को भाजपा ने मुख्यमंत्री बना रखा है, लेकिन दलाल मीडिया इस पर चुप है।

FASHION.IN

Available all types of ladies cotton kurties, Fancy Kurties, Jegin, legin, Fancy Top, T-Shirts, Trousers and imported material in whole-sale price.

SPECIALITY IN FANCY TOP & FANCY KURTIES

लेडिज कपड़ों पर भारी छूट
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

Address : 5M/22, N.I.T. FARIDABAD NEAR DAYANAND WOMEN COLLEGE, ST. JOSEPH CONVENT SCHOOL ROAD
Contact at : 9911489490

गतांक की चीर-फ़ाड़

डॉ. जुगल किशोर गुप्ता

उल्लू बनाने में खट्टर भी मोदी से पीछे नहीं

मज़दूर मोर्चा के 29 जुलाई-4 अगस्त 2018 के अंक में 'घर में नहीं है दाने अम्मा चली भुनाने-न बिल्डिंग न टीचर, नये कॉलेज खोलेंगे खट्टर' में हरियाणा में भाजपा की खट्टर सरकार की दोगली शिक्षा नीति की असलियत सामने लाने का अच्छा प्रयास है। महिलाओं के सशक्तिकरण के नाम पर बिना कोई बिल्डिंग बनाये और प्राध्यापकों की कोई भर्ती किये बिना हरियरणा में 31 नये महिला महाविद्यालय खोलने की कपटी घोषणा करके खट्टर सरकार ने न शिक्षा के प्रति ईमानदारी और न विद्यार्थियों के प्रति निष्ठा दिखाई है। नये महिला महाविद्यालयों की पढ़ाई वहां के नज़दीक के स्कूलों में करायी जायेगी जबकि उन स्कूलों की स्थिति पहले से ही खराब है।

इसका अर्थ है जहां स्कूलों में थोड़ी बहुत पढ़ाई होती है वह भी ठप्प हो जायेगी और कॉलेज व स्कूल दोनों की लड़कियां परेशान होंगी। गौरतलब है कि हरियाणा के अधिकांश सरकारी कॉलेजों में नियमित प्राचार्य तथा प्राध्यापकों की कमी है और वहां प्रभारी प्राचार्यों तथा तदर्थ व गेस्ट (अतिथि) प्राध्यापकों से काम चलाया जा रहा है। अगर खट्टर सरकार शिक्षा के प्रति थोड़ी भी गंभीर होती तो नये महाविद्यालय खोलने की बजाय पहले से बने कॉलेजों में पर्याप्त बिल्डिंग व स्टाफ़ की व्यवस्था करती।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) उच्च स्तरीय अकादमिक वातावरण, लोकतांत्रिक संस्कृति और शिक्षक छात्र सम्बन्धों के कारण देश के अन्य विश्वविद्यालयों के मुकाबले में एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय है जिसकी विदेशों में भी प्रशंसा होती है। परंतु आरएसएस को विश्वविद्यालय का यह खुला माहौल रास नहीं आता, इसलिये, जेएनयू आरएसएस के निशाने पर रहता है। आरएसएस राष्ट्रवाद और हिन्दुत्व के बहाने से एक सुनियोजित ढंग से जेएनयू के छात्रों व शिक्षकों पर हमले करवा रहा है जिसका 'आरएसएस को जेएनयू पर गुस्सा क्यों आता है' में बेबाक विवेचन किया गया है। उल्लेखनीय है कि संघ परिवार व पूर्व जनसंघ से संबंधित एम.एल. सेंधी जेएनयू में प्रोफ़ेसर रहे हैं जिनको उस समय ऐसा कोई एतराज नहीं था।

बिहार के मुज्फ्फरपुर में स्थित सरकारी बालिका सुधार गृह में असहाय लड़कियों के साथ हो रहे बलात्कार व यौन शोषण का कोशिश न्यूज़ द्वारा टाटा इंस्टिट्यूट आफ़ सोशल साईंस की रिपोर्ट का खुलासा करने पर समाज सकते में आ गया कि वहां रहने वाली 44 लड़कियों में से 34 हवस का शिकार बनी जिसकी 'एक कैंपस के भीतर 34 बच्चियों के साथ बलात्कार होता रहा, नीतीश का बिहार सोता रहा' में समीक्षा की गई है। इस एनजीओ का संचालक ब्रजेश ठाकुर मुख्य अभियुक्त है। इस सम्बन्ध में यह कहावत बिल्कुल उपयुक्त चरितार्थ होती है कि यदि रक्षक ही भक्षक बन जाय तो कुछ नहीं बचेगा। विपक्ष की आलोचना के मद्देनजर बिहार सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है।

चाइल्ड वेलफेयर कमेटी जिसे रजिस्टर्ड बालगृहों में जाकर महीने में दो बार इंस्पेक्शन करना होता है, इसलिये सीडब्लूसी के सदस्य भी आरोपों के घेरे में है। यदि टाटा इंस्टिट्यूट फॉर सोशल साईंस ने इस एनजीओ का ऑडिट न किया होता तो यह घृणित कार्य कभी उजागर नहीं होता। इस बीच ठाकुर के मुजफ्फरपुर के ही एक और शैल्टर होम-बालिका सुधार गृह से 11 महिला के लापता होने के मामले में ठाकुर के खिलाफ़ नई एफ़आईआर दर्ज की गई है। इन लड़कियों के साथ हुये अमानवीय व्यवहार ने बिहार में नीतीश सरकार के 'सुशासन' के दावे की पोल खोल दी।

सुप्रीम कोर्ट के मॉब लिंचिंग रोकने के सख्त निर्देश के बावजूद अलवर में रकबर खान की मौब लिंचिंग के संदर्भ में संघ परिवार की गौ-इकॉनमी व गौ-रक्षा इकॉनमी के बीच के अंतर का 'खबर (दार) झरोखा-गौ रक्षा इकॉनमी में पहलू और रकबर खान का कत्ल तय है।' में सटीक विश्लेषण किया गया है। उल्लेखनीय है कि पहलू खान व रकबर खान दोनों राजस्थान से गाय खरीदकर पशु ट्रांसपोर्ट का भाड़ा वहन न कर पाने के कारण अलवर क्षेत्र से गांवों के रास्ते पैदल आ रहे थे जब उन पर कातिलाना हमला किया गया। दोनों ही गाय का दूध बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करना चाहते थे जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार आ जाय। परंतु तथाकथित गौ-रक्षकों ने अपने आर्थिक हितों की रक्षा करते हुये इन्हें मॉब लिंचिंग का शिकार बनाया।

आरएसएस व भाजपा सरकार के मंत्रियों की तरफ़ से मॉब लिंचिंग के मामले में विवादित बयान लगातार आ रहे हैं जिनमें से प्रमुख हैं 'मॉब लिंचिंग तभी रुकेगी जब बीफ़ खाना होगा बंद:आरएसएस' में इंद्रेश कुमार का बयान तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी 'गाय का महत्व मनुष्य जितना'। बिहार के हाजीपुर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गौरक्षा के नाम पर भारत माता का नारा लगाते हुये दो व्यक्तियों को भीड़ तंत्र का शिकार बनाया। गौरतलब है कि वहां खड़ी पुलिस ने अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही करने की बजाय पीड़ितों को ही डांटना शुरू कर दिया। उपरोक्त घटनाओं, बयानों व टिप्पणी से स्पष्ट है कि गौ इकॉनमी की जगह गौ-राजनीति सफ़ल हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में सत्ता संभालने के बाद अपनी छाती ठोककर कहा था कि मैं प्रधानमंत्री नहीं प्रधान सेवक हूं और विदेशों में जा रहे भारतीय धन के संदर्भ में कहा कि मैं देश का चौकीदार हूं। मोदीजी की चौकीदारी कितनी कामयाब रही इसका ज्वलंत उदाहरण है पंजाब नेशनल बैंक के 13,500 करोड़ लेकर गुजरात के हीरा व्यापारी नीरव मोदी और मेहुल चौकसी देश छोड़कर भाग गये। मेहुल चौकसी ने एंटीगुआ में शरण ले ली ओर भारत की नागरिकता और पासपोर्ट छोड़कर वहां के नागरिकता ले ली और वहां का पासपोर्ट भी बनवा लिया, जिसका 'चौकीदार की यह कैसी चौकसी कि चौकी लेकर भागा चौकसी' में पूरा पर्दाफ़ाश किया गया है। इस पूरे प्रकरण में 'चौकीदार' मोदीजी हाथ मसलते रह गये और उनके दावे हवा में उड़ गये।

'अपने लिये नहीं तो अपने बच्चों के लिये पढिये-चन्द्र ग्रहण: आखिर कितनी पीढियों को अंधविश्वास में धकेलेंगे' में 27 जुलाई को लगे चन्द्रग्रहण के बारे में प्रचलित विभिन्न अंधविश्वास व मान्यताओं का खंडन करते हुये चन्द्रग्रहण को एक खगोलीय घटना तथा पृथ्वी की छाया के कारण स्पष्ट करते हुये वैज्ञानिक जानकारी देने का अच्छा प्रयास है।

चीन द्वारा रवांडा में एक विशाल भव्य शहर निर्माण करने के मुकाबले में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रवांडा को 200 गायों का तोहफ़ा देने पर आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार के मॉब लिंचिंग के बारे में दिये गये बयान पर 'बीफ़ खाना बंद कर दो लिचिंग बंद हो जायेगी-लड़की पैदा करना बंद कर दो रेप बंद हो जायेंगे-क्या चलता है इस देश में कैसे लोगों को वोट देते हो तुम' तथा बिजली विभाग द्वारा एलईडी बल्ब लगाने के लिये चलाये गये अभियान पर 'कल दिन भर ढूंढा पर 40 रुपये का एलईडी बल्ब नहीं मिला। दुकान का पता भी बता दीजिये, साहब' कार्टूनों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी, आएसएस के नेता तथा बिजली विभाग पर उपयुक्त तंज कसा गया है।